कक्षा – आठवीं
विषय – हिन्दी रीडर
पाठ 17 – बाज और साँप

शीर्षक और नायक

1. लेखक ने बाज और साँप को ही इसलिए चुना क्योंकि बाज आसमान में उड़ता है और साँप जमीन पर रहता है। इन दोनों के माध्यम से लेखक ने जिंदगी के प्रति दो नजरिये बताने की कोशिश की है।

कहानी से –

1. बाज ने अपने जीवन को जी भरकर जिया। उसने आकाश में पंख फैलाकर बहुत ऊँची उड़ान भरी। उसने अपने जीवन के सभी सुखों को भोग लिया था इसलिए वह अपने जीवन से पूरी तरह संतुष्ट था और उसे जीवन से कोई शिकायत नहीं थी।

2. बाज जिंदगी भर आकाश में उड़ता रहा, उसने आकाश की असीम ऊँचाइयों को अपने पंखों से नापा। बाज साहसी था। अतः कायर की मौत नहीं मरना चाहता था। वह अंतिम क्षण तक संघर्ष करना चाहता था। वह मरने से पहले अंतिम बार आकाश में उड़ लेना चाहता था। अतः उसने इसके लिए एक अंतिम प्रयास किया, भले ही वह असफल हो गया। एक और कारण यह भी है कि साँप की गुफा से भयानक दुर्गंध आ रही थी जिससे उसका दम घुट रहा था।

3. साँप उड़ने की इच्छा को मूर्खतापूर्ण मानता था। उसके लिए उड़ान और रेंगने में कोई अंतर न था। पर जब उसने बाज के मन में आकाश में उड़ने के लिए तड़प देखी तब साँप को भी लगा कि इस आकाश के रहस्य का पता लगाना ही चाहिए। तब उसने भी आकाश में एकबार उड़ने की कोशिश करने का निश्चय किया।

4. बाज के साहसी, वीरता एवं स्वतंत्रता-प्रिय रूप को सम्मान देने के लिए लहरों ने गीत गाया था। वह साहसी और बहादुर था। उसने अपने प्राण गंवा दिए परंतु जिंदगी के खतरे का सामना करने से पीछे नहीं हटा।

5. साँप का शत्रु बाज है चूँकि वो उसका आहार होता है इसलिए घायल बाज को देखकर साँप के लिए खुश होना स्वाभाविक था।

कहानी से आगे

4. मानव ने भी पक्षियों की तरह उड़ने की इच्छा अपने मन में संजोके रखी है। जिसका परिणाम यह हुआ कि मनुष्य ने हवाई जहाज का आविष्कार कर दिखाया। आज मनुष्य अपने उड़ने की इच्छा की पूर्ति हवाई जहाज, हेलीकॉप्टर, गैस बैलून आदि से करता है।

Scanned with CamScanner